Publication	**The Times of India**	**Language**	English
Edition	Ahmedabad	**Journalist**	TNN
Date	09/03/2025	**Page no**	6
CCM	32.40		

'Farmers now energy producers

'Farmers now energy producers'

Says Amit Shah As He Launches Raft Of Projects

TIMES NEWS NETWORK

Rajkot: Union home and cooperation minister Amit Shah laid the foundation stone for the revival and modernization of the Kodinar and Talala sugar mills at a function at Kodinar in Gir Somnath district on Saturday.

Shah said the revival of these mills by Indian Potash Company will lead to the economy of the area being developed and will open the doors to prosperity for 10,000 farmers. He said, "Because of the starting of these sugar mills, ethanol and gas will be produced by them. The ethanol will reduce India's petroleum imports, and because of the export of ethanol, farmers will become global biofuel producers. Farmers will become energy providers."

Indian Potash Company will work to provide farmers seeds for sugarcane, try to increase productivity, provide sophisticated equipment and work to start gas production. Shah expressed confidence that because of these activities, farmers will prosper.

TOI

Union cooperation minister Amit Shah at the launch of three new cooperative sugar mills in Gir Somnath on Saturday

The mills in this area will start crushing cane from Nov 1, 2025. Shah inaugurated and laid the foundation stones of various projects at Brahmanand Vidhyadham in Junagadh district on Saturday.

He dedicated to the nation the building of a Sainik School and laid the foundation stone of Pujya Muktanand Bapu Medical College and Research Institute.

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Millennium Post**	**Language**	English
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	09/03/2025	**Page no**	5
CCM	43.50		

Shah announces revival of 3 sugar mills in Gujarat

Shah announces revival of 3 sugar mills in Gujarat

GIR SOMNATH/VALSAD: Union Home Minister and Minister of Cooperation Amit Shah announced the revival and modernisation of three sugar mills in Gir Somnath and Valsad, Gujarat, a move set to benefit over 10,000 farmers in the region.

Speaking at the event, Shah highlighted that this initiative fulfils Prime Minister Narendra Modi's commitment to strengthening India's agricultural sector.

Shah pointed out that the revival of the mills has been done by Indian Potash Limited (IPL), with 60 per cent of the share capital owned by cooperatives.

He said Modi has made food-producing farmers energy producers by linking ethanol production to sugar mills.

This will not only ensure food security but also cut India's petroleum import bill.

He further stated that India is targeting to enhance ethanol production and become part of the world export market within the next few years.

Shah pointed out some of the major initiatives by the Ministry of Cooperation under Modi to benefit farmers. The

revival of these sugar mills, he added, was a collaborative effort by Indian Potash Limited, the State Cooperative Bank, the Gujarat government, and the Government of India.

IPL has brought in new sugarcane seeds, harvesting machines, drone-based fertiliser spraying, drip irrigation, and ethanol and gas production units to increase sugarcane cultivation.

He further stated that the government's focus is on producing ethanol, compressed biogas, and organic fertilisers from sugarcane in these factories.

Comparing past and present agricultural budgets, Shah pointed out that in 2013-14, the agriculture Budget was Rs 22,000 crore, which has now increased sixfold to Rs 1.37 lakh crore in 2023-24.

Similarly, farm loans have increased from Rs 8.5 lakh crore to Rs 25.5 lakh crore under Modi's leadership.

Shah further added that even though the international prices of Di-Ammonium Phosphate (DAP) fertiliser are increasing, the government has provided price stability by offering subsidies for the last 10 years.

He attributed this to Modi, who initiated several schemes like low-cost fertilisers, drip irrigation, organic farming, farmer credit cards, and incentives for ethanol production. MPOST

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Amar Ujala**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	09/03/2025	**Page no**	13
CCM	50.63		

The government has made the food provider an energy provider by producing energy from sugar mills: Shah

सरकार ने चीनी मिलों से ऊर्जा उत्पादन कर अन्नदाता को बनाया ऊर्जादाता : शाह

कहा, आने वाले दिनों में इथेनॉल का निर्यात भी कर पाएंगे

सोमनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

केंद्रीय मंत्री ने सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, श्री सोमनाथ महादेव मंदिर आस्था का केंद्र होने के साथ-साथ गौरवशाली सनातन परंपरा का अनूठा प्रतीक भी हैं।

गिर सोमनाथ। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने चीनी मिलों के साथ ऊर्जा उत्पादन को जोड़कर इथेनॉल ब्लेंडिंग के माध्यम से अन्नदाता किसान को ऊर्जादाता किसान बनाने का काम किया है। इथेनॉल उत्पादक सहकारी चीनी मिलें, खाद्य सुरक्षा लाने के साथ-साथ देश के पेट्रोलियम आयात बिल को कम करने में भी मदद करती हैं। आने वाले दिनों में हम इथेनॉल का निर्यात भी कर पाएंगे।

शाह ने शनिवार को गिर सोमनाथ व वलसाड में तीन चीनी मिलों के पुनरुद्धार-आधुनिकीकरण कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आज पीएम मोदी का दिया वचन पूरा हो रहा है। इन तीनों चीनी मिलों से पूरे इलाके और वलसाड के 10,000 से ज्यादा किसानों की समृद्धि का द्वार खुलेगा। हमारे किसान लोकल से ग्लोबल बायो फ्यूल प्रोड्यूसर भी बनेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम अधिक इथेनॉल उत्पादन के साथ वैश्विक बाजार में जाएंगे और उसका निर्यात करेंगे। शाह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में गठित सहकारिता मंत्रालय ने कई पहल कर कृषि पर निर्भर देश के करोड़ों किसानों के विकास के रास्ते खोले हैं। इसी प्रकार की एक और पहल के तहत आज इन्डियन पोटाश लि., जिसमें 60 फीसदी शेयर केपिटल कॉओपरिटव्स की है, के माध्यम से इन तीन चीनी मिलों का पुनरुद्धार हुआ है। एजेंसी

सिर्फ चीनी मिलों का पुनरुद्धार नहीं गन्ना किसानों को अन्य मदद भी दी

शाह ने कहा कि इंडियन पोटाश लि. ने सिर्फ चीनी मिलों का पुनरुद्धार नहीं किया है, बल्कि गन्ने के किसानों की कई अन्य प्रकार से भी सहायता की है। गन्ने का उत्पादन बढ़ाने के लिए नए-नए तरह के बीज, गन्ना काटने की मशीनें, ड्रोन की मदद से उर्वरक का छिड़काव, ड्रिप इरिगेशन सिस्टम और इथेनॉल और गैस बनाने के कारखाने तक का काम इंडियन पोटाश लि. ने किया है। इन तीनों कारखानों से गन्ने से इथेनॉल, कम्प्रेस्ड बायोगैस और जैविक खाद का उत्पादन करने का हमारा लक्ष्य है।

- **दस साल में किसानों का बजट छह गुना बढ़ा :** *शाह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों के कल्याण के लिए कई अभूतपूर्व काम किए हैं। 2013-14 में कृषि के लिए बजट सिर्फ 22,000 करोड़ रुपये था, जिसे मोदी सरकार ने 2023-24 में बढ़ाकर 1 लाख 37 हजार करोड़ रुपये किया है। यह छह गुना वृद्धि है। शाह ने कहा, इसके साथ ही किसानों को उस समय दिए जाने वाले 8.5 लाख करोड़ रुपये के ऋण को आज बढ़ाकर 25.5 लाख करोड़ रुपये किया गया है।*

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Hindustan**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	09/03/2025	**Page no**	9
CCM	41.06		

Government is making farmers energy providers: Shah

गृह मंत्री ने कहा, आने वाले दिनों में इथेनॉल निर्यात करेगा भारत

किसानों को ऊर्जादाता बना रही सरकार : शाह

भरोसा

सोमनाथ, एजेंसी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर गारंटी आज पूरी हो रही है। मोदी सरकार ने चीनी मिलों के साथ ऊर्जा उत्पादन को जोड़कर इथेनॉल ब्लेंडिंग के माध्यम से किसानों को ऊर्जादाता बनाने का काम किया है।

केंद्रीय मंत्री गुजरात के गिर सोमनाथ और वलसाड में तीन चीनी मिलों के पुनरुद्धार और आधुनिकीकरण कर्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि तीनों मिलों के पुनरुद्धार से दस हजार से ज्यादा किसानों की समृद्धि का मार्ग खुलेगा। गुजरात पहुंचे शाह ने सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना भी की और देशवासियों के कल्याण और समृद्धि की कामना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गठित सहकारिता मंत्रालय ने कई पहल कर कृषि पर निर्भर देश के करोड़ों किसानों के विकास के रास्ते खोले हैं। कहा कि इसी प्रकार की एक और पहल के तहत इन्डियन पोटाश लिमिटेड, जिसमें 60 प्रतिशत शेयर केपिटल कॉओपरिटव्स की है, इसके माध्यम से इन तीन चीनी मिलों का पुनरुद्धार हुआ है।

सोमनाथ में शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान गृह मंत्री अमित शाह।

खाद के दाम नहीं बढ़ने दिए

शाह से कहा कि पूरी दुनिया में डाई अमोनियम फास्फेट (डीएपी) खाद का भाव बढ़ रहा है, लेकिन मोदी सरकार ने 10 वर्षों से सब्सिडी देकर इसकी कीमतों को स्थिर रखा है। सरकार में किसानों को कम कीमत पर खाद, इथेनॉल जैसी नई योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Jagmarg**	**Language**	Hindi
Edition	Chandigarh	**Journalist**	
Date	09/03/2025	**Page no**	7
CCM	N/A		

इथेनॉल उत्पादक चीनी मिल खाद्य सुरक्षा में योगदान देती हैं, पेट्रोलियम आयात बिल कम करती हैंः शाह

इथेनॉल उत्पादक चीनी मिल खाद्य सुरक्षा में योगदान देती हैं, पेट्रोलियम आयात बिल कम करती हैंः शाह

➪ केंद्रीय मंत्री गुजरात में तीन चीनी मिल के पुनरुद्धार और आधुनिकीकरण कार्य की शुरुआत की

जगमार्ग न्यूज/एजेंसी

कोडीनार (गुजरात)। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि इथेनॉल उत्पादक सहकारी चीनी मिल न केवल खाद्य सुरक्षा में योगदान देती हैं, बल्कि देश के पेट्रोलियम आयात बिल को कम करने में भी मदद करती हैं।

शाह ने गुजरात के गिर सोमनाथ और वलसाड जिलों में तीन चीनी मिल के पुनरुद्धार और आधुनिकीकरण कार्य की शुरुआत के बाद यहां कहा कि इन तीन चीनी मिल के पुनरुद्धार से इस क्षेत्र के लगभग 10,000 किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा। गृह और सहकारिता मंत्री ने बताया कि इनका पुनरुद्धार 'इंडियन पोटाश लिमिटेड' के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें 60 प्रतिशत शेयर पूंजी सहकारी समितियों के पास है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इथेनॉल और बीजों के माध्यम से कई चीनी मिल के साथ ऊर्जा उत्पादन को एकीकृत करके भारत के खाद्यान्न उत्पादक किसानों को ऊर्जा उत्पादक किसानों में बदल दिया है। उन्होंने कहा, ''इथेनॉल उत्पादक सहकारी चीनी मिल न केवल खाद्य सुरक्षा में योगदान देती हैं, बल्कि देश के पेट्रोलियम आयात बिल को कम करने में भी मदद करती हैं। इससे किसानों को स्थानीय उत्पादकों से वैश्विक जैव ईंधन उत्पादकों में बदलने में मदद मिलेगी और भारत इथेनॉल उत्पादन बढ़ाकर वैश्विक निर्यात बाजार में प्रवेश करेगा।'उन्होंने कहा कि किसानों के हित के लिए 'इंडियन पोटाश लिमिटेड', राज्य सहकारी बैंक, गुजरात सरकार और केंद्र सरकार साथ आई हैं। उन्होंने कहा, ''गन्ने का उत्पादन बढ़ाने के लिए 'इंडियन पोटाश लिमिटेड' ने नए प्रकार के बीज, गन्ना कटाई मशीन, ड्रोन के माध्यम से उर्वरक छिड़काव, ड्रिप सिंचाई प्रणाली और यहां तक कि इथेनॉल और गैस उत्पादन के लिए कारखाने भी स्थापित किए हैं।' शाह ने कहा, ''हमारा लक्ष्य इन तीनों मिल में गन्ने से इथेनॉल, संपीड़ित बायोगैस और जैविक खाद का उत्पादन करना है।' उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में कृषि बजट 2013-14 में 22,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 37 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो छह गुना वृद्धि है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, किसानों को दिए जाने वाले ऋण 8.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 25.5 लाख करोड़ रुपये हो गए, जो किसानों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नजरिये को दर्शाता है।

****

Downloaded from
SAMVAD